



# प्रगति, विकास और आशा सीएसआईआर समाचार

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् का गृह बुलेटिन

वर्ष 10 अंक 8

[www.csir.res.in](http://www.csir.res.in)

अगस्त 2022

## शोधकर्ताओं ने विकसित की हाइड्रोजन और हवा से चलने वाली स्वदेशी बस



**भारत** को हरित हाइड्रोजन उत्पादन और निर्यात की दृष्टि से वैश्विक हब बनाने के उद्देश्य से 'राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन' शुरू किया गया है। हाइड्रोजन चालित वाहनों का निर्माण भी इस पहल का हिस्सा है। इस दिशा में कार्य करते हुए भारतीय शोधकर्ताओं को स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन सेल बस विकसित करने में सफलता मिली है।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने पुणे में रविवार को इस हाइड्रोजन ईंधन सेल बस का अनावरण किया है। विद्युत उत्पन्न करने के लिए ईंधन सेल हाइड्रोजन और हवा का उपयोग करता है। इससे केवल पानी का उत्सर्जन होता है। इसीलिए, हाइड्रोजन ईंधन को परिवहन का पर्यावरण अनुकूल साधन माना जा रहा है। यह हाइड्रोजन ईंधन सेल बस के पीआईटी और सीएसआईआर के शोधकर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है।

डॉ सिंह ने कहा कि लंबी दूरी के मार्गों पर चलने वाली एक डीजल बस आमतौर पर सालाना 100 टन कार्बनडाइऑक्साइड का उत्सर्जन करती है, और भारत में ऐसी दस लाख से अधिक बसें हैं। हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग इस तरह के वाहनों में होने से होने वाले प्रदूषण का बोझ कम करने में मददगार हो सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर और सुलभ स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को पूरा करने एवं नये उद्यमियों तथा नौकरियों के सृजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाइड्रोजन से जुड़ा दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि हरित हाइड्रोजन उत्कृष्ट स्वच्छ ऊर्जा सेक्टर है, जो रिफाइनिंग, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट उद्योगों सहित भारी वाणिज्यिक परिवहन क्षेत्र से होने वाला उत्सर्जन के डीकार्बोनाइजेशन को सक्षम बनाता है।

डीजल चालित वाहनों की तुलना में हाइड्रोजन ईंधन सेल ट्रकों और बसों जैसे वाहनों के लिए प्रति किलोमीटर कम परिचालन लागत सुनिश्चित करता है। डॉ सिंह ने कहा कि भारत में माल ढुलाई के

क्षेत्र में हाइड्रोजन ईंधन क्रांति ला सकता है। इसके अलावा, ईंधन सेल वाहन शून्य ग्रीन-हाउस गैस उत्सर्जन करते हैं। उन्होंने पीआईटी और सीएसआईआर-एनसीएल के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का प्रौद्योगिकी कौशल दुनिया में सर्वश्रेष्ठ और किफायती है।

डॉ जितेंद्र सिंह ने बताया कि डीजल से चलने वाले भारी वाणिज्यिक वाहनों से लगभग 12-14 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन और कण उत्सर्जन होता है। ये विकेंद्रीकृत उत्सर्जन हैं, और इसलिए इसे कैप्चर कर पाना कठिन है। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन से चलने वाले वाहन इस क्षेत्र से सड़क पर होने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रभावी अवसर प्रदान कर सकते हैं।

डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि इन लक्ष्यों को प्राप्त करके, भारत जीवाश्म ऊर्जा के शुद्ध आयातक से स्वच्छ हाइड्रोजन ऊर्जा का शुद्ध निर्यातक बन सकता है, और हरित हाइड्रोजन उत्पादन के साथ संबंधित उपकरणों का बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व प्रदान कर सकता है।

## सीएसआईओ में रोगाणुनाशी पोर्टेबल इलेक्ट्रोस्टैटिक उपकरण का विकास



**jkxtud** बैक्टीरिया के संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की चंडीगढ़ स्थित घटक प्रयोगशाला केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईआर-सीएसआईओ) के वैज्ञानिकों ने एक नया रोगाणु नाशी पोर्टेबल इलेक्ट्रोस्टैटिक

उपकरण विकसित किया है। कोरोना वायरस सहित अन्य रोगजनक सूक्ष्मजीवों के प्रसार को रोकने में यह उपकरण प्रभावी पाया गया है।

यह एक हैंड हेल्ड उपकरण है, जिसे विशेष रूप से हाथ में पकड़कर उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। यह उपकरण इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रौद्योगिकी पर आधारित है, जो दो मोर्चों पर काम करती है। सबसे पहले, विसंक्रमित करने वाले

तरल पदार्थों का छिड़काव करते समय इस उपकरण से विद्युत से आवेशित बूंदें निकलती हैं, जो हवा में वायरस को मारने में सक्षम होती हैं। दूसरी ओर, उपकरण से निकली आवेशित बूंदें किसी भी लक्ष्य के छिपे हुए क्षेत्रों में पहुँच सकती हैं, जहाँ वायरस हो सकते हैं।

सीएसआईआर-सीएसआईओ के वैज्ञानिक डॉ मनोज कुमार पटेल के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा यह उपकरण डिजाइन एवं विकसित किया गया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह तकनीक उपयोग में आसान, पोर्टेबल है, जिसका उपयोग छोटे दुकानदार, घरों और छोटे कारोबारियों द्वारा किया जा सकता है। नागपुर स्थित मैसर्स राइट वाटर सॉल्यूशंस (आई) प्राइवेट लिमिटेड को व्यावसायीकरण और बड़े

पैमाने पर उत्पादन के लिए सीएसआईआर-सीएसआईओ द्वारा यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरित की गई है।

सीएसआईआर-सीएसआईओ के निदेशक प्रोफेसर एस. अनंत रामकृष्ण ने कहा है कि "रोगजनक कीटाणु शोधन उपकरण के उपयोग में सुगमता से जुड़ी उपयोगकर्ताओं की माँग को ध्यान में रखते हुए, सीएसआईआर-सीएसआईओ ने यह उन्नत और पोर्टेबल इलेक्ट्रोस्टैटिक उपकरण विकसित किया है, जो सार्वजनिक स्थानों को रोगजनक सूक्ष्मजीवों के संक्रमण से मुक्त करने के लिए एक शक्तिशाली तकनीक है। "अभिजीत गण, निदेशक, मैसर्स राइट वाटर सॉल्यूशंस और सीएसआईआर-सीएसआईओ के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख, व्यवसाय विकास एवं परियोजना प्रबंधन डॉ ए. के. शुक्ला द्वारा प्रौद्योगिकी

हस्तांतरण करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं। दोनों पक्षों के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम ऑनलाइन रूप से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर, सीएसआईआर-सीएसआईओ के निदेशक प्रोफेसर एस. अनंत रामकृष्ण और संस्थान के अन्य विभागीय प्रमुख उपस्थित थे।

डॉ पटेल बताते हैं कि "सार्वजनिक स्थानों, विशेष रूप से अस्पतालों, पॉल्ट्री, ट्रेनों एवं बसों, हवाईअड्डों तथा हवाई जहाजों, क्लबासरूम, होटल और कार्यालयों में कीटाणुशोधन और स्वच्छता को सुनिश्चित करने के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक छिड़काव की यह नवीन प्रौद्योगिकी विकसित की गई है। यह उपकरण स्वस्थ जीवनशैली और स्वास्थ्य देखभाल में योगदान देने में कारगर है, और भारत सरकार के 'स्वस्थ भारत मिशन' से सीधे जुड़ा हुआ है।

## सीएसआईआर-सीरी में विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन

अटल इनोवेशन मिशन एवं जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

सीएसआईआर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में 15 जुलाई, 2022 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया गया। अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए देशभर में फैली सीएसआईआर की राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएँ विभिन्न अवसरों पर स्कूल एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों को शोध प्रयोगशालाओं को देखने व समझने का अवसर देने के साथ-साथ वैज्ञानिकों से संवाद का अवसर भी प्रदान करती हैं। इसी क्रम

में पिलानी स्थित सीरी विद्या मंदिर के 67 विद्यार्थियों एवं दो अध्यापिकाओं ने विश्व युवा कौशल दिवस पर सीएसआईआर सीरी का शैक्षणिक भ्रमण किया। संस्थान के सभागार में आयोजित स्वागत एवं पंजीकरण सत्र में मुख्य वैज्ञानिक डॉ अभिजीत कर्माकर ने सभी छात्र-छात्राओं

एवं उनके शिक्षकों का स्वागत किया और उन्हें विश्व युवा कौशल दिवस





सभागार में उपस्थित प्रतिभागी विद्यार्थी एवं उनके शिक्षकगण



तकनीकी सत्र में व्याख्यान देते हुए डॉ अयन कुमार बंदोपाध्याय, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक



विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए डॉ विजय चटर्जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक



संस्थान की प्रयोगशालाओं एवं विज्ञान संग्रहालय में आगंतुक विद्यार्थियों को शोध गतिविधियों की जानकारी देते हुए वैज्ञानिक एवं शोधछात्र



समाचार पत्रों में कवरेज

की पृष्ठभूमि से अवगत कराया। अपने संबोधन में प्रधान वैज्ञानिक श्री प्रमोद कुमार तंवर ने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2018 में अटल इनोवेशन मिशन की शुरुआत की गई थी। इसी मिशन के तहत शुरू की गई अटल टिकरिंग लैब्स योजना के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरुचि का विकास करने के लिए हमारा संस्थान इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से करता है।

तकनीकी व्याख्यान इस अवसर पर डॉ अयन कुमार बंदोपाध्याय, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने 'n t ulZv,Q dE; qud'sku fl LVEL \* विषय पर दिए गए अपने रोचक व्याख्यान में संचार प्रणालियों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को विश्व में आरंभिक संचार प्रणालियों एवं विधियों से लेकर वर्तमान में 5जी एवं 6जी प्रौद्योगिकी की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि विश्व प्रौद्योगिकीय बदलावों से गुजर रहा है और संचार व्यवस्था भी इससे अछूती नहीं है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को वैश्विक

संचार व्यवस्था में होने वाले संभावित बदलावों की भी जानकारी दी। प्रस्तुतीकरण के उपरांत विद्यार्थियों ने पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे कर अपनी सक्रिय प्रतिभागिता का परिचय दिया।

इससे पूर्व कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ विजय चटर्जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने सभी विद्यार्थियों को विश्व युवा कौशल दिवस की बधाई दी और कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया।

इस शैक्षणिक भ्रमण-सह-संपर्क कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सीएसआईआर के गठन के उद्देश्यों से भी अवगत कराया गया। उन्हें सीएसआईआर-सीरी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उपलब्धियों एवं शोध गतिविधियों का परिचय देने के उद्देश्य से तैयार किया गया वृत्त चित्र (डॉक्युमेंट्री फिल्म) दिखाया गया।

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं ने संस्थान की प्लाज्मा प्रयोगशाला और विज्ञान संग्रहालय का परिदर्शन किया। संस्थान के शोध छात्रों ने

सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थियों को प्लाज्मा प्रयोगशाला में संस्थान की वर्तमान एवं अन्य शोध गतिविधियों के बारे में बताया। इसके बाद उन्हें संस्थान की प्लाज्मा प्रयोगशाला के साथ-साथ सूक्ष्मतरंग नलिका प्रयोगशाला की शोध सुविधाओं का भ्रमण कराया गया।

संस्थान के विज्ञान संग्रहालय में वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को सेमिकंडक्टर, माइक्रोवेव और इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों के वैज्ञानिक पोस्टरों और संबंधित शोध क्षेत्रों के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित शोध-उत्पादों एवं अन्य वैज्ञानिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

शैक्षणिक भ्रमण के अंत में विद्यार्थियों एवं उनके साथ उपस्थित अध्यापकों ने यह अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रधानाचार्या श्रीमती राचल दयाल की ओर से संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया एवं संपूर्ण व्यवस्था के लिए पीएमईबीडी प्रभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

## सीएसआईआर-केन्द्रीय विद्युत रासायनिक अनुसंधान संस्थान कराईकुडी में 75वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित



सीएसआईआर-केन्द्रीय विद्युत रासायनिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीईसीआरआई), कराईकुडी ने 25 जुलाई, 2022 को अपना 75वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया।

डॉ. वी. सरस्वती, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीईसीआरआई ने अपने स्वागत भाषण में सीएसआईआर-सीईसीआरआई की उत्पत्ति पर अतीत के पन्नों को पुनर्जीवित किया और विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास में इसके महत्वपूर्ण योगदानों के विषय में जानकारी दी।

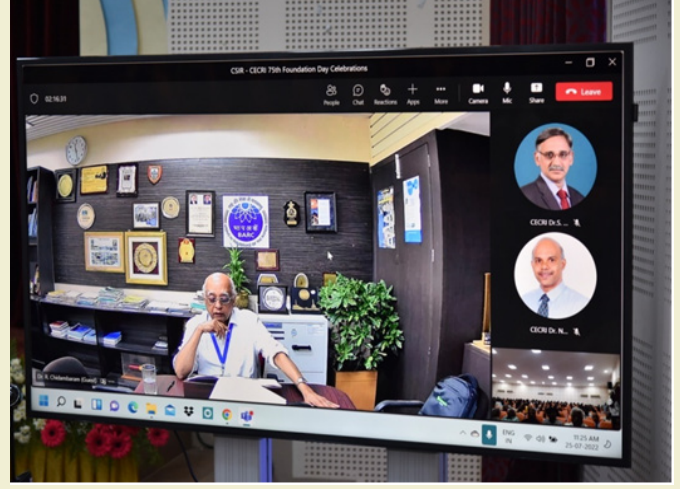
डॉ. एन. कलैसेल्वी, निदेशक, सीएसआईआर-सीईसीआरआई ने अपने अध्यक्षीय भाषण में इस दिन के संयोग का उल्लेख प्रो. जॉन बैनिस्टर गुडएनफ के 100वें जन्म दिवस के साथ किया, जो नोबेल पुरस्कार विजेता थे तथा लिथियम-

आयन बैटरी के विकास के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने सीएसआईआर-सीईसीआरआई के सभी दूरदर्शी नेताओं विशेषकर वर्ष 1949 में डॉ. ए. जोगाराव के द्वारा किए गए विद्युत रसायन विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय योगदान को याद किया, जिनसे औद्योगिक और सामाजिक क्षेत्रों में सम्मान और वास्तविक प्रभावों के साथ इसका निर्माण हुआ। उन्होंने वैश्विक उत्कृष्टता के लिए नोडल एजेंसी और मॉडल लैब बनने के लिए सीएसआईआर की प्रतिबद्धता के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री का 2070 तक 'नेट-जीरो' उत्सर्जन हासिल करने का मिशन इस संबंध में एक सटीक उदाहरण है और हम सभी को इसे अपने प्राथमिक लक्ष्य के रूप में आगे बढ़ाना चाहिए।

डॉ. कलैसेल्वी ने सीएसआईआर-सीईसीआरआई में सीएसआईआर द्वारा चिह्नित

सभी प्रमुख विषयों में विशेष रूप से ऊर्जा, रसायन, सामरिक और स्वास्थ्य देखभाल और पोषण में किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की एक झलक प्रस्तुत की। वह एक वर्ष के भीतर सीरी बैनर के तहत चिह्नित अधिकाधिक प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और स्थानांतरित करने के लिए भी बेहद आशावादी थीं।

पद्म विभूषण डॉ. आर. चिदंबरम, वीएआरसी में डीईई-होमी भाभा प्रोफेसर, भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष और भारत सरकार के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने वर्चुअल मोड पर सीकरी@75 समारोह (75 साल की उत्कृष्टता के उपलक्ष्य में पूरे वर्ष गतिविधियों की एक श्रृंखला) का उद्घाटन किया। उन्होंने सीएसआईआर-सीईसीआरआई के विशेषज्ञता कौशल सेट और इलेक्ट्रोकेमिकल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सभी पहलुओं



में महत्वपूर्ण और रणनीतिक क्षेत्रों में कुछ प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। श्री. यू. के. भट्टाचार्य, निदेशक (परियोजना), एनटीपीसी, नई दिल्ली और प्रो. के. आई. वासु, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीईसीआरआई और संस्थापक अध्यक्ष, विज्ञान भारती ने इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज की।

श्री. भट्टाचार्य ने दर्शकों को कई बड़े पैमाने की परियोजनाओं में एनटीपीसी के साथ सीएसआईआर के जुड़ाव और विभिन्न परिमाण के कई मुद्दों को हल करने में सीएसआईआर से एनटीपीसी द्वारा प्राप्त अमूल्य इनपुट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सीएसआईआर-सीईसीआरआई के प्रभावशाली प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो के आधार पर परस्पर रुचि के कई मेल खाने वाले क्षेत्रों में सीएसआईआर-सीईसीआरआई के साथ मिलकर काम करने पर अत्यधिक विश्वास व्यक्त किया।

प्रो. वासु (94 वर्ष) ने सीएसआईआर-सीईसीआरआई के शानदार अतीत के कई यादगार पलों को सामने लाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने सीईसीआरआई के पूर्व निदेशकों, विशेष रूप से औद्योगिक इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री में डॉ. उडुपा, इलेक्ट्रोकेमिकल शिक्षा में क्रांतिकारी के एसजी डॉस और डॉ. एस. राजगोपालन

संक्षारण विज्ञान और इंजीनियरिंग के योगदान को याद किया। उन्होंने दावा किया कि सीएसआईआर-सीईसीआरआई में सभी बोधगम्य बुनियादी ढांचे के साथ विश्व स्तरीय अनुसंधान करने के लिए अनुकूल वातावरण है।

उन्होंने प्रशंसा की कि परिसर विद्युत रसायन का गढ़ है। उन्होंने सीएसआईआर-सीईसीआरआई को उसके सभी भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना की और सभी स्टाफ सदस्यों को शताब्दी समारोह के लिए अपनी सम्पूर्ण शक्ति और गर्व के साथ मार्च करने की सलाह दी।

डॉ. के.जे. श्रीराम, निदेशक, सीएसआईआर-केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई और डॉ. एन आनंदवल्ली, निदेशक, सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर, चेन्नई ने सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया और आम अनुसंधान एवं विकास और संस्थागत गतिविधियों में अधिक संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया।

श्री. आरपी सिंह, प्रमुख, नवाचार प्रबंधन निदेशालय, सीएसआईआर मुख्यालय, नई दिल्ली ने सीएसआईआर-सीईसीआरआई द्वारा 2070 तक 'नेट जीरो' की दिशा में लगभग सभी क्षेत्रों में निभाई जाने वाली विशेष भूमिका की संकल्पना पर चर्चा की। कई औद्योगिक भागीदारों, विशेष रूप से जिन्होंने हाल ही में

सीएसआईआर-सीईसीआरआई से तकनीकी प्रक्रिया हासिल की है, ने सीईसीआरआई को बधाई दी और समय पर वैज्ञानिक हस्तक्षेप के लिए आभार व्यक्त किया। उन सभी ने सर्वसम्मति से भविष्य में भी पारस्परिक रूप से प्रतिफलित अनुभव के लिए निरंतर सहयोग की याचना की।

इस अवसर पर, सीएसआईआर-सीईसीआरआई के 75वें स्थापना दिवस समारोह को चिह्नित करने के लिए लोगो डिजाइनिंग प्रतियोगिता के विजेता की घोषणा की गई (सुश्री के.एम. लक्ष्मी, रिसर्च स्कॉलर सीएसआईआर-सीईसीआरआई) और चयनित सीईसीआरआई@75 लोगो का अनावरण प्रो. के. आई. वासु द्वारा किया गया। उन्होंने सीएसआईआर-सीईसीआरआई के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. पी. वीरमणि द्वारा लिखित इलेक्ट्रोप्लेटिंग इन तमिल (वाज्विन आथरम इलेक्ट्रोप्लेटिंग) पर एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम का समापन श्री के.एम. श्रीधर, प्रशासन नियंत्रक, सीएसआईआर-सीईसीआरआई के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इसके बाद बैटरी-सुपर कैपेसिटर हाइब्रिड ई-रिक्शा का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, कार्बन कैप्चर डेमो प्लांट का भी उद्घाटन किया गया।

## सीएसआईआर-आईएचबीटी में 76वां स्वतंत्रता दिवस समारोह



इस शुभ अवसर पर स्टाफ क्लब की "मंथन" पत्रिका के नए अंक का विमोचन भी हुआ।

तत्पश्चात निदेशक महोदय एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा संस्थान परिसर में फ्लेम ट्री (ड्लोनिक्स रेजिया (हुक.) राफ., प्लुमेरिया (प्लुमेरिया अल्बा एल.) और कपूर (सिनामोम कपूर एल.) के 75 पौधों का पौधारोपण किया गया।

चयनित पौधों की प्रजातियों का रंग, फ्लेम ट्री के लिए केसरिया, प्लुमेरिया के लिए सफेद और कपूर के लिए हरा, राष्ट्रीय ध्वज के प्रतीक के रूप में स्वतंत्रता के 75 वर्ष, "आजादी का अमृत महोत्सव को मनाने के उद्देश्य से किया गया।"

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने संस्थान में आयोजित विभिन्न खेल गतिविधियों के लिए पुरस्कार वितरित किए।

इस दिन के लिए आयोजित विभिन्न मनोरंजक और खेल गतिविधियों में कर्मचारियों और बच्चों ने भाग लिया।

सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान में 76वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों सहित बच्चों ने भी हिस्सा लिया।

संस्थान के निदेशक, डॉ संजय कुमार ने राष्ट्रीय ध्वजारोहण कर उपस्थित

सभा को संबोधित किया। संस्थान के सेंटर फॉर हाई एल्टीट्यूड बायोलॉजी (सीईएचएबी), रिबलिंग (केलांग, लाहौल) में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

यह समारोह वैज्ञानिकों और कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया जिसका प्रसारण आईएचबीटी में एमएस टीम्स द्वारा किया गया।

## सीएसआईआर-सीरी में 'आजादी का अमृत महोत्सव' का धूमधाम से आयोजन

राष्ट्र की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में सीएसआईआर-सीरी में आजादी का अमृत महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। भारत सरकार के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय तथा सीएसआईआर मुख्यालय से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार संस्थान

में अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों / गतिविधियों का आयोजन किया गया। विदित ही है कि स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में देशभर में 'आजादी का अमृत महोत्सव' बहुत





माँ भारती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करती हुई विशिष्ट अतिथि श्रीमती सीमा पंचारिया



स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित अधिकारीगण



स्वतंत्रता दिवस समारोह में परेड की सलामी लेते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी



मार्च पास्ट एवं बैंड प्रस्तुति देते हुए सीरी सुरक्षा कर्मी एवं सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थी

धूमधाम से मनाया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर 12 मार्च, 2021 को अमृत महोत्सव का शुभारंभ हुआ और यह महोत्सव 15 अगस्त 2023 तक चलेगा। इस उपलक्ष्य में देशभर में अनेक कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में भी इस उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनका विवरण निम्नवत है :

**Lorarkfnol l eljkg** आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह 15 अगस्त, 2022 को संस्थान के मुख्य लॉन में आयोजित किया गया। समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सीमा पंचारिया, संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों व अधिकारियों के साथ संस्थान-सहकर्मियों के परिजन,

सीरी विद्या मंदिर के छात्र-छात्राएं व शिक्षकगण, कॉलोनीवासी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। संस्थान के प्रशासन नियंत्रक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्य अतिथि डॉ पी सी पंचारिया एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती सीमा पंचारिया का समारोह स्थल पर पहुँचने पर स्वागत किया। इसके बाद संस्थान के सुरक्षा कार्मिकों एवं सीरी विद्या मंदिर के एन सी सी कैडेट्स ने मुख्य अतिथि डॉ पी सी पंचारिया को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया द्वारा राष्ट्र ध्वज फहराने के साथ हुआ। ध्वज फहराने के बाद उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों, सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित उपस्थित जनसमूह ने सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थियों द्वारा बजाई गई सुंदर बैंड-धुन पर राष्ट्रगान गाया। इसके बाद डॉ पंचारिया, श्रीमती पंचारिया एवं वरिष्ठ

अधिकारियों ने माँ भारती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में डॉ पी सी पंचारिया ने उपस्थित अधिकारियों व अन्य सहकर्मियों सहित संस्थान के सभी सहकर्मियों, उनके परिजनों को राष्ट्र के 76वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। भारत के इतिहास के अध्ययन को अपना प्रिय विषय बताते हुए अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत रानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में वर्ष 1857 की



दीप प्रज्वलन कर कवि सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए तथा कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते हुए कविगण

क्रांति से कुछ वर्ष पूर्व वर्ष 1830 में सीकर के रणबांकुरों की अगुवाई में हो चुकी थी। डॉ पंचारिया ने इतिहास के पन्ने पलटते हुए उपस्थित जनसमुदाय को बताया कि पाटोदा के जागीरदार डूंगर सिंह शेखावत (डूंगर जी) और उनके चचेरे भाई जवाहर सिंह शेखावत (जवाहर जी) ने अपने क्रियाकलापों से अंग्रेजों की नाक में दम कर दी थी। इनके अलावा डॉ पंचारिया ने लाटू जाट, सामंता मीणा और करणा मीणा के योगदान को भी याद किया तथा शेखावाटी ब्रिगेड के इन पांचों वीरों के साथ देश को स्वतंत्र कराने में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने परेड एवं अन्य प्रस्तुतियों के लिए सीरी विद्या मंदिर की प्राचार्या श्रीमती बी राशेल एवं विद्यालय की टीम को साधुवाद दिया।

अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन से पूर्व डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने संस्थान में सटीक कृषि प्रायोगिक स्टेशन (Precision Agriculture Experimental Station) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए डॉ मनीष मैथ्यु, प्रधान वैज्ञानिक तथा डॉ राकेश कुमार सिंह, तकनीकी अधिकारी को शॉल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

इससे पूर्व संस्थान के सुरक्षा कर्मियों के दल ने मार्च पास्ट किया। इसके बाद सीरी विद्या मंदिर के एनसी सी व स्काउट दलों सहित विद्यार्थियों ने अपने-अपने सदनों के ध्वजों के साथ विद्यालय के बैंड की धुन पर परेड का प्रदर्शन किया।

उपस्थित जनसमुदाय ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि एवं संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने परेड और बैंड की सलामी ली।

समारोह के अंत में मुख्य अतिथि महोदय ने शांति के प्रतीक के रूप में आकाश में रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़े तथा उपस्थित स्कूली छात्र-छात्राओं एवं अन्य लोगों को टॉफियाँ वितरित कीं। इसके अतिरिक्त एवं कार्यक्रम देखने आए सभी लोगों को मिठाई वितरित की गई।

जयपुर केंद्र में सहकर्मियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए प्रभारी वैज्ञानिक डॉ साई कृष्णा वड्डादि संस्थान के जयपुर स्थित इनोवेशन सह इन्क्यूबेशन हब में भी स्वाधीनता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जयपुर केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ साईकृष्णा वड्डादि ने ध्वज फहराया।

संस्थान के मुख्य लॉन में आयोजित स्वाधीनता दिवस समारोह का संचालन संयुक्त रूप से संस्थान के वरिष्ठ हिंदी

अधिकारी श्री रमेश बौरा एवं सीरी विद्या मंदिर की छात्राओं सुश्री निकिता, सुश्री मुस्कान और सुश्री कोमल ने किया।

इससे अलावा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा आयोजित किए गए अन्य कार्यक्रमों/ गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है :

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 12 अगस्त, 2022 को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय कवि संगम, राजस्थान के सहयोग से संस्थान के सभागार में आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी काव्य रचनाओं से देश के वीरों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा हास्य-व्यंग्य से श्रोताओं का मनोरंजन भी किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के पूर्व निदेशक एवं सीएसआईआर के कुलाधिपति डॉ. चन्द्रशेखर थे। इस अवसर पर विद्याविहार, पिलानी नगरपालिका की अध्यक्ष श्रीमती कमलेश रणवा एवं उपाध्यक्ष श्री रोहिताश्व सिंह राठौड़ विशिष्ट अतिथि थे। कवि सम्मेलन का शुभारंभ परंपरागत रूप से अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ हिंदी अधिकारी श्री रमेश बौरा ने अतिथियों एवं कवियों का स्वागत किया। वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक डॉ अभिजीत कर्माकर ने स्वागत संबोधन देते हुए



सभी अतिथियों, कवियों और श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि डॉ चंद्रशेखर ने कवियों एवं लेखकों को अत्यंत संवेदनशील प्राणी बताते हुए समाज का संवेदक बताया। विशिष्ट अतिथि श्री राठौड़ ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कवि सम्मेलन जैसे साहित्यिक आयोजन के लिए निदेशक, सीएसआईआर-सीरी की प्रशंसा की।

कवि सम्मेलन में श्री किशोर पारीक (जयपुर, राजस्थान), श्री वरुण चतुर्वेदी (भरतपुर, राजस्थान), वैद्य श्री भगवान सहाय पारीक (जयपुर, राजस्थान), मेघ श्याम मेघ (दिल्ली), श्री योगेश वशिष्ठ (अलवर, राजस्थान), आचार्य संजय शर्मा "नूतन" (पिलानी), श्री कपिल पराशर (पिलानी), श्री राजकुमार सिंह "राज" (पिलानी) ने अपनी विशिष्ट शैली में कविताओं का वाचन किया। कवि सम्मेलन का संचालन करते हुए राजकुमार राज ने सभी कवियों का परिचय दिया। कवि सम्मेलन के अंत में संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने सभी कवियों को शॉल एवं स्मृति चिह्न

भेंट कर सम्मानित किया। अंत में प्रशासन नियंत्रक श्री जय शंकर शरण ने अपनी विशिष्ट शैली में धन्यवाद ज्ञापित किया।

भारत सरकार तथा सीएसआईआर के दिशा निर्देशानुसार दिनांक 13 से 15 अगस्त, 2022 के दौरान संस्थान के मुख्य एवं अन्य भवनों के साथ-साथ सीरी कॉलोनी परिसर के सभी आवासों में राष्ट्र ध्वज तिरंगा लगाया गया। इसके अलावा कॉलोनी से बाहर रहने वाले सहकर्मियों एवं अन्य अस्थायी कर्मियों को भी ध्वज वितरित किए गए। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रमों के अंतर्गत संस्थान भवन को विद्युत रोशनी से तिरंगामय किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के उपलक्ष्य में दिनांक 13 अगस्त, 2022 को प्रशासन नियंत्रक श्री जय शंकर शरण के नेतृत्व में संस्थान के सहकर्मियों ने तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा सीरी (CEERI) से झुंझुनू जिले की सूरजगढ़ तहसील के बिजौली का बास गांव तक निकाली गई। अधिकारियों ने ग्रामवासियों को "आजादी

का अमृत महोत्सव" के संबंध में बताते हुए संस्थान द्वारा आरंभ किए गए कार्यक्रम "विज्ञान गांव की ओर" के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। ग्रामवासियों को संस्थान द्वारा किसानों के लिए किए जा रहे शोध कार्य एवं अन्य गतिविधियों से भी अवगत कराया गया।

इस अवसर पर प्रशासन नियंत्रक श्री जय शंकर शरण ने अमृत महोत्सव के बारे में जानकारी देते हुए जन समुदाय को बताया कि हमारा देश अपने स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर रहा है। इसी उपलक्ष्य में देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है और हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत देशवासी जोर शोर से इस अभियान में जुटे हैं। उन्होंने कविता के माध्यम से तिरंगे के तीनों रंगों और चक्र का महत्व बताया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि हमारा देश हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि गांवों और किसानों के आत्मनिर्भर बनने के बिना यह संभव नहीं है।

इस अवसर पर श्री सुनील कुमार मित्तल, वरिष्ठ अधीक्षण अभियंता और डॉ विजय चटर्जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने संस्थान द्वारा विज्ञान गांव की ओर कार्यक्रम के अंतर्गत चलाए जा रहे संक्षिप्त तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य वैज्ञानिक डॉ शशिकांत सद्विस्तप और प्रशासनिक अधिकारी श्री महेंद्र सिंह आदि अधिकारियों ने भी ग्राम सभा को संबोधित किया। ग्रामवासियों ने सीएसआईआर-सीरी की तिरंगा यात्रा

का स्वागत करते हुए सीरी द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों और 'विज्ञान गांव की ओर कार्यक्रम' की सराहना की।

दिनांक 14 अगस्त, 2022 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगा यात्रा एवं संध्या फेरी का आयोजन भी किया गया।

निदेशक महोदय के नेतृत्व में आयोजित संध्या फेरी में संस्थान के वैज्ञानिकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य सहकर्मियों, प्रशिक्षार्थी छात्र-छात्राओं व

कॉलोनीवासियों ने कॉलोनी परिसर में तिरंगे के साथ पदयात्रा करते हुए देश भक्ति गीत गाए।

डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने आजादी के अमृत महोत्सव को भव्य रूप से आयोजित करने के लिए संस्थान के सभी सहकर्मियों को धन्यवाद दिया।

इस प्रकार सीएसआईआर-सीरी में 76वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह तथा आजादी का अमृत महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

## सीएसआईआर-निस्पर में 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत एक वेबिनार का आयोजन किया गया

भारत सरकार द्वारा आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस वर्ष 13-15 अगस्त पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान के अनुपालन में सीएसआईआर-निस्पर द्वारा दिनांक 12.08.2022 को हर घर तिरंगा अभियान की जागरूकता हेतु एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार का संचालन श्री अनिरुद्ध तिवारी, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक द्वारा किया गया। उन्होंने सभी कार्मिकों का अभिवादन करते भारत सरकार के इस अभियान की भूमिका पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात उन्होंने इस सुअवसर पर मुख्य सम्बोधन के लिए श्री राजेश कुमार सिंह रौशन, प्रशासन नियंत्रक को आमंत्रित किया।

श्री रौशन जी ने राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास पर सविस्तार प्रकाश डाला और बताया कि यह अपने वर्तमान स्वरूप में पहुँचने से पूर्व अभिकल्पन के कई चरणों से होकर गुजरा है, उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि यह मात्र तीन रंगों केसरिया, सफेद और हरे का संयोजन ही नहीं है अपितु यह हमारी

संस्कृति, बलिदान, आत्म-सम्मान तथा हमारे अभिमान का प्रतीक है। उन्होंने झण्डा गीत-झण्डा ऊंचा रहे हमारा के लिखे जाने के रोचक इतिहास पर भी प्रकाश डाला।

तत्पश्चात इस सुअवसर पर डॉ. कनिका मलिक, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने वीर रस के प्रमुख हस्ताक्षर डॉ. हरिओम पँवार की एक कविता का काव्य-पाठ किया। डॉ. मलिक ने बड़े ही ओजपूर्ण स्वर में इस कविता का पाठ किया जिसकी सभी कार्मिकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कविता पाठ के पश्चात श्री पंकज गोस्वामी, प्रशासनिक अधिकारी ने झण्डा संहिता के बारे में दर्शकों को विस्तार बताया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन-बान और शान है। इसे फहराते समय हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कहीं जाने-अनजाने



में हम कोई ऐसी गलती न करें जिससे इसके सम्मान में कोई कमी हो। उन्होंने झण्डे को प्रयोग में लाए जाने से लेकर उसके ससम्मान निस्तारण संबंधी नियमों पर प्रकाश डाला।

तत्पश्चात संचालक महोदय ने प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास की एक कविता होठों पर गंगा हो हाथों में तिरंगा का काव्य-पाठ किया।

अंत में धन्यवाद प्रस्ताव के साथ वेबिनार सम्पन्न हुआ।

## सीएसआईआर-एनआईओ में आई-कनेक्ट कार्यक्रम “समुद्री कूड़े सहित पर्यावरण सुरक्षा के लिए उत्पादों का परीक्षण” का आयोजन

“आजादी का अमृत महोत्सव” समारोहों के भाग के रूप में, सीएसआईआर-एनआईओ ने सीएसआईआर में 5 अगस्त, 2022 को “समुद्री कूड़े सहित पर्यावरण सुरक्षा के लिए उत्पादों का परीक्षण” (वर्चुअल मोड) पर सफलतापूर्वक उद्योग सम्मेलन (आई-कनेक्ट) का आयोजन किया। यह बैठक CSIR के E30W थीम के तहत एक गतिविधि के रूप में उद्योगों के साथ साझेदारी के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

प्रो. सुनील कुमार सिंह, निदेशक, सीएसआईआर-एनआईओ ने सभा का स्वागत किया और इस आई-कनेक्ट कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

डॉ. वी. एम. तिवारी, थीम निदेशक –ईओडब्ल्यू और निदेशक, सीएसआईआर-एनजीआरआई, हैदराबाद ने उद्घाटन टिप्पणी दी और तटीय समुद्री वातावरण को विभिन्न प्रकार के प्रदूषण से बचाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और सीएसआईआर-एनआईओ, गोवा द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

शोधकर्ताओं और उद्योग भागीदारों ने अपने अनुभवों को साझा करने वाले उत्पादों के परीक्षण में सक्रिय रूप से शामिल किया। श्री आर. ए. श्रीपाड़ा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और कार्यक्रम समन्वयक ने तेल और गैस उद्योग में उपयोग किए जाने वाले ड्रिलिंग तरल पदार्थों के उपयोग और निर्वहन से संबंधित पर्यावरणीय परीक्षणों का अवलोकन प्रस्तुत किया। डॉ. प्रभादेवी, प्रधान तकनीकी अधिकारी ने तेल प्रदूषण से निपटने में उपयोग



किए जाने वाले उत्पादों के पर्यावरण परीक्षणों का अवलोकन दिया।

डॉ. महुआ साहा, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एनआईओ ने प्लास्टिक और माइक्रोप्लास्टिक्स पर अपने काम पर प्रकाश डाला: एक उभरता हुआ संदूषक तटीय समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को खतरे में डाल रहा है। डॉ. समीर दमारे, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एनआईओ ने समुद्री संदूषकों का उपलब्ध विश्लेषणात्मक सुविधाएं मूल्यांकन प्रदान किया।

श्री विनयकुमार, तकनीकी निदेशक, अदाची स्वप्रेरीन प्रा लिमिटेड बंगलुरु ने उन्नत अपशिष्ट जल उपचार प्रौद्योगिकियों पर एक प्रस्तुति दी, श्री एविक सिल, निदेशक, एनवायरो पॉलिसी रिसर्च इंडिया प्राइवेट लिमिटेड थाना महाराष्ट्र ने तटीय समुद्री पर्यावरण की सुरक्षा के लिए उद्योगों की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला।

एक पैनल चर्चा जिसमें पैनलिस्ट (श्री हेमंत कुलकर्णी, डॉ. सानिल कुमार, डॉ. मंदार नानाजकर, दरबाररे, डॉ. शिवकुमार मगदा, डॉ. नरसिंह ठाकुर) ने व्यापक रूप से प्रवेश करने वाले दूषित पदार्थों के लिए एक व्यापक मानकीकृत प्रोटोकॉल/परीक्षण प्रक्रिया तैयार करने की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया।

200 से अधिक हितधारकों ने इस कार्यक्रम को सोशल मीडिया और वर्चुअल ऑनलाइन मोड पर देखा।

डॉ. सुप्रिया तिलवी, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एनआईओ ने कार्यक्रम का संचालन किया।

विभिन्न प्रकार के तटीय समुद्री प्रदूषण से निपटने के लिए उद्योग-शोधकर्ता सहयोग को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की गई।

## सीएसआईआर-निस्पर की लोकप्रिय विज्ञान पत्रिका विज्ञान प्रगति के विशेष अंक का विमोचन

**सी**एसआईआर-निस्पर की विज्ञान प्रगति पत्रिका के इस विशेष अंक में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में संलग्न भारतीय संगठनों की जानकारी शामिल हैं

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-निस्पर), नई दिल्ली ने 23 अगस्त 2022 को अपनी लोकप्रिय विज्ञान हिंदी पत्रिका "विज्ञान प्रगति" के विशेष अंक के विमोचन समारोह का आयोजन किया। वर्ष 2022 में, सीएसआईआर-निस्पर की इस लोकप्रिय पत्रिका ने जनता के बीच विज्ञान के प्रसार के 70 साल पूरे कर लिए हैं। इस पत्रिका का पहला अंक अगस्त 1952 में प्रकाशित हुआ था। विज्ञान प्रगति के इस विशेष अंक (अगस्त 2022) में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में संलग्न भारत के अग्रणी संगठनों की जानकारी शामिल हैं। इस विशेष अंक में सरकार और स्वयंसेवी संगठनों दोनों को शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा है।

कार्यक्रम की आरम्भ वैज्ञानिक ज्ञान के प्रकाश से गलत सूचना के अंधेरे को मिटाने के संकेत के रूप में दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रो. रंजना अग्रवाल, निदेशक, सीएसआईआर-निस्पर ने मुख्य अतिथि डॉ. शेखर सी. मांडे और विशिष्ट अतिथि डॉ. शर्मिला मांडे का गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने विज्ञान पत्रिका 'विज्ञान प्रगति' की समृद्ध विरासत और विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में



विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में लगे भारतीय संगठनों पर केंद्रित 'विज्ञान प्रगति' पत्रिका के विशेष अंक का विमोचन

सीएसआईआर-निस्पर के योगदान का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान पश्चिमी संस्कृति का एकमात्र हिस्सा नहीं है। भारत प्राचीन काल से विज्ञान का प्रयोग कर रहा है और हमारे देश की एक समृद्ध वैज्ञानिक विरासत और पारंपरिक ज्ञान है। उन्होंने उन्नीसवीं सदी में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में आचार्य पी.सी.रे की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए याद किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. शर्मिला मांडे, मुख्य वैज्ञानिक, टीसीएस रिसर्च एंड इनोवेशन ने क्षेत्रीय भाषाओं में विज्ञान संचार की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस तरह, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार समाज की बड़ी आबादी तक पहुंच सकते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. शेखर सी. मांडे, पूर्व सचिव, डीएसआईआर और

सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक ने राष्ट्र की प्रगति में विज्ञान और वैज्ञानिक सोच की भूमिका पर जोर दिया। वह एक समृद्ध वैज्ञानिक इतिहास होने के बावजूद विज्ञान के प्रति लोगों की सामान्य धारणा के बारे में चिंतित थे। उन्होंने उल्लेख किया कि वैज्ञानिक समुदाय और समाज के बीच अभी भी अंतर है। उन्होंने कहा कि विज्ञान तब तक समाप्त नहीं हो सकता जब तक कि इसका संचार किया जाता रहेगा। इसके अलावा, उन्होंने समाज की बेहतरी के लिए सीएसआईआर संस्थानों की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विज्ञान के लिए हमेशा कठिन समय रहा है चाहे वह औपनिवेशिक काल हो या कोविड महामारी या किसी प्राकृतिक आपदा का चुनौतीपूर्ण समय हो,



‘विज्ञान प्रगति’ के विशेष अंक का मुख पृष्ठ (अगस्त 2022)

सीएसआईआर कभी भी अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटता। सीएसआईआर के योगदान के बारे में शायद कोई नहीं जानता। लेकिन अनजाने में सीएसआईआर हर किसी के दैनिक जीवन का हिस्सा है। डॉ. शेखर ने पिछले 70 वर्षों में ‘विज्ञान प्रगति’ के योगदान को याद किया और कहा कि इस पत्रिका और इसकी लोकप्रिय विज्ञान सामग्री को आम लोगों तक तीव्रतम रूप से पहुंचना चाहिए। यह आगामी 25

वर्षों में राष्ट्र के भाग्य का फैसला करेगा जब भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा। कार्यक्रम के अंत में, डॉ. मनीष मोहन गोरे, वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर और संपादक, विज्ञान प्रगति ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। उन्होंने पत्रिका के विशेष अंक का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। पत्रिका के विशेष अंक (अगस्त 2022) में सार्वजनिक वित्त पोषित संस्थानों के साथ-साथ देश भर में विज्ञान को लोकप्रिय बनने के लिए

काम करने वाले स्वैच्छिक संगठन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कुछ संगठनों ने स्वतंत्रता से पहले ही विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के महत्व को महसूस किया और विज्ञान को आम लोगों तक ले जाने के लिए काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि ‘विज्ञान प्रगति’ समाज में गहरी पैठ बनाने की दिशा में काम करेगी ताकि विज्ञान को देश के वृहद वर्ग तक पहुंचाया जा सके।

## सीएसआईआर-राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विशेष हिन्दी व्याख्यान

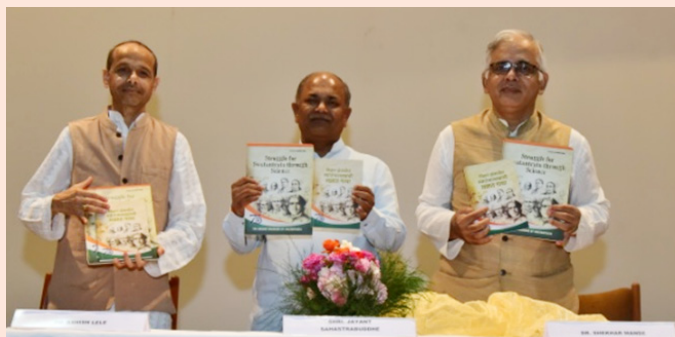
आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 15 अगस्त, 2022 को सीएसआईआर-राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे में एक विशेष हिन्दी व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में विज्ञान भारती संस्थानों के राष्ट्रीय आयोजन सचिव श्री जयंत सहस्त्रबुद्धे, विशिष्ट अतिथि के रूप में विज्ञान भारती के अध्यक्ष तथा

पूर्व डीजी-सीएसआईआर. डॉ. शेखर मांडे और अध्यक्ष के रूप में निदेशक, डॉ. आशीष लेले उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम निदेशक, डॉ. आशीष लेले द्वारा श्री जयंत सहस्त्रबुद्धे तथा डॉ. शेखर मांडे जी का स्वागत किया गया, तत्पश्चात डॉ. आशीष लेले द्वारा उद्बोधन प्रदान किया गया। डॉ. आशीष लेले जी ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति तथा

स्वतंत्रता को जीवित रखने में विज्ञान और वैज्ञानिकों की बड़ी भूमिका होती है।

तत्पश्चात प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित विज्ञान भारती के राष्ट्रीय आयोजन सचिव श्री जयंत सहस्त्रबुद्धे जी ने *\*Hjgrh foKlu vls oKkudk dhLora-rkl xhe esHfedk\** विषय पर अत्यंत रोचक हिन्दी व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि “आज हम सब



आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं लेकिन हमारे लिए यह जाना आवश्यक है कि आजादी प्राप्त करने के लिए क्या संघर्ष किया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति का संघर्ष सिर्फ राजनीतिक सामाजिक ही नहीं, बल्कि इस संघर्ष में हमारे वैज्ञानिकों की भी बड़ी भूमिका रही, किंतु वह ज्यादा प्रकाशित न हो सकी। जब दुनिया में शिक्षा की व्यवस्था नहीं थी, तब हमारे देश में ऐसे उत्कृष्ट विश्वविद्यालय मौजूद थे, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा देते थे, आक्रमणकारियों द्वारा हमारे देश की पहचान को मिटा कर हमारे पर आघात किया गया। हमारे ज्ञान-विज्ञान-संस्कृति पर प्रहार किया गया, जिसमें हम सभी इससे वंचित हो गए।

पिछले 200 वर्षों का इतिहास उठाकर खोजें तो 1600 वर्षों तक भारत विश्व के सभी देशों में सबसे आगे था, सबसे अधिक निर्यात करने वाला, ज्ञान-विज्ञान-कला का अग्रणी केंद्र तथा विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सबसे आगे था। लेकिन हमें

गुलाम बना लिया गया और हम पिछड़ते चले गए। गुलामी के इसी संघर्षपूर्ण दौर में श्री प्रफुल्ल चंद्र राय ने हमारे देश में आधुनिक विज्ञान की नींव रखी। उन्होंने विज्ञान के आधार पर कई स्वदेशी उद्योग धंधें स्थापित किए।”

उन्होंने बताया कि आचार्य प्रफुल्लचंद्र राय, महेन्द्रलाल सरकार, जगदीश चन्द्र बसु, स्वामी विवेकानंद, बंकिम चन्द्र चटर्जी, सी. वी. रमण, मदन मोहन मालवीय जैसे महानुभावों ने वैज्ञानिक जानकारी का उपयोग करके स्वतंत्रता संग्राम में अप्रत्यक्ष रूप से हिस्सा लिया

इसके उपरांत डॉ. आशीष लेले, निदेशक, सीएसआईआर-एनसीएल द्वारा स्मृति चिन्ह देकर उनका सत्कार किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का सूत्र-संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. (श्रीमती) स्वाति चढ्ढा (हिन्दी अधिकारी) द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शोध-छात्र, स्टाफ सदस्य, पेंशनर, अन्य संस्थानों के प्रमुख तथा अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित

थे। सभी के द्वारा इस कार्यक्रम की अत्यंत सराहना की गई।

### कृपया ध्यान दें

सीएसआईआर की सभी प्रयोगशालाओं के नोडल अधिकारियों/जनसम्पर्क अधिकारियों/हिन्दी अधिकारियों/अनुवादकों से अनुरोध है कि वे अपने संस्थान से सम्बन्धित गतिविधियों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान उपलब्धियों/पुरस्कार/सम्मानों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों आदि से सम्बन्धित समाचार/सूचना

सीएसआईआर समाचार में प्रकाशन के लिए हार्ड अथवा सॉफ्ट कॉपी में संपादक, सीएसआईआर समाचार को भेजने की कृपा करें।

संपादक  
सीएसआईआर समाचार

# सीएसआईआर-निस्पर में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

संस्थान में 15 अगस्त 2022 को भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। समारोह में संस्थान की निदेशक प्रो रंजना अग्रवाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी तथा कार्मिक उपस्थित थे।

विधिवत ध्वजारोहण के पश्चात प्रो, रंजना अग्रवाल निदेशक सीएसआईआर-निस्पर ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में संस्थान द्वारा वर्तमान में विज्ञान संचार तथा नीति अनुसंधान के लिए किये जा रहे कार्यों का ब्यौरा देते हुए बताया कि संस्थान की लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाएं विज्ञान प्रगति, साइंस रिपोर्टर तथा साइंस की दुनिया देश में विज्ञान लोकप्रियकरण तथा विज्ञान के प्रति जागरूकता के प्रचार-प्रसार में संलग्न हैं और समाज के प्रति अपनी भूमिका का निर्वाह बखूबी कर रही हैं।

उन्होंने लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिये गए उदबोधन का जिक्र करते हुए कहा कि हमें स्वतंत्रता प्राप्त के 75 वर्षों में हम ने जो उपलब्धियां प्राप्त की हैं और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है, उन्हें हमें उन के प्रति गौरवान्वित होते हुए आने वाले 25



वर्षों को अमृत काल मानकर देश को विश्व गुरु बनाने की दिशा में प्रयास करना है।

निदेशक महोदया ने सभी उपस्थित कामिकों का आह्वान करते हुए कहा कि हमें इस अमृत काल में अपना सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र को समर्पित करना है तभी हम सभी प्रगति के पथ पर अग्रसर हो पाएंगे।

इस अवसर पर संस्थान के कार्मिकों तथा उनके बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत एवं कविता का पाठ भी किया गया।

